ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – उधम सिंह नगर

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे **निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून**

वर्षः 28 अंकः 16 बुलेटिन अवधिः 23–27 फरवरी, 2019 दिनः शुक्रवार दिनाँकः 22 फरवरी, 2019

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **उधम सिंह नगर एवं नैनीताल जिलों के मैदानी क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – उधम सिंह नगर				
	23/02/2019	**24/02/2019**	**25/02/2019**	**26/02/2019**	**27/02/2019**
वर्षा (मिमी0)	0	0	0	1	25
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	27	26	26	26	24
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	12	11	11	12	12
बादल आच्छादन	आंशिक बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल	मध्यम बादल	घने बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	85	85	85	85	95
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	45	45	45	45	55
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	006	008	008	006	010
वायु की दिशा	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर स्थित कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–243.8 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (15–21 फरवरी, 2019) में आसमान में मध्यम से पूर्णतः बादल छाये रहे तथा 15.2 मि0मी0 वर्षा हुई, अधिकतम तापमान 19.5 से 24.2 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 10.1 से 13.5 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 80 से 98 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 55 से 75 प्रतिशत एवं मुख्यतः पश्चिम–उत्तर–पश्चिम दिशा से चली।

ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानो हेतु कृषि सलाह
उर्द	बुवाई	उर्द की बुवाई फरवरी माह के अन्तिम संप्ताह में से मार्च के प्रथम पखवाड़े के बीच पूरा करे। उर्द की उन्नतशील किस्में नरेन्द्र, उर्द–1, पन्त उर्द 31, पंत उर्द 35 का प्रयोग करे।
गेहूं, जौ	बूटिंग	पिछले कुछ दिनो मे वर्षा को ध्यान मे रखते हुए किसान भईयो को सलाह दी जाती है कि आगामी कुछ दिनो तक फसलो मे सिंचाई व उर्वरको का छिड़काव न करें।
राई, सरसों	दाना भरने	राई व सरसों में आवश्यकतानुसार दाना भरने की अवस्था पर सिंचाई अवश्य करें।
गन्ना	बुवाई	बसंतकालीन गन्ना की बुवाई 15 मार्च तक पूरा कर लेनी चाहिए। गन्ना बीज हेतु गन्ना के उपरी दो तिहाई भाग का प्रयोग करेंगें। प्रति हैक्टर 3 आँखें वाले 40–50 हजार टुकड़े प्रयोग करें। लाईन पूरब–पश्चिम दिशा में 75 से0मी0 की दूरी पर बनाए।
सूरजमुखी	बुवाई	सूरजमुखी की मार्डन, सूर्या, आदि की बुवाई फरवरी के दूसरे पखवाड़े में करें।
प्याज, लहसून	वानस्पतिक बढ़वार	प्याज और लहसुन की पत्तियॉ उपर से पीली पड़ने पर प्रोपीकोनाजोल या टेबूकोनाजोल का 1 मिली0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
टमाटर, शिमलामिर्च, बैंगन आदि	शिमलामिर्च– रोपाई टमाटर– फूल	टमाटर की फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करे।
उद्यान प्रबन्ध	–	फरवरी माह में बाग की साफ–सफाई करनी चाहिए तथा पाले से बचाव के लिए लगाए गये पुआल अथवा घास इन्यादि को फरवरी के अन्तिम सप्ताह में निकाल देना चाहिए।
आम	–	अगर आम में गुम्बा रोग दिखाई दे तो उसको काटकर निकाल दें तथा जमीन में गढ्ढा बनाकर दबा दें। पिछले वर्ष के गुम्बा बौर (मैंगो माल फारमेंसन) तथा पत्तियों को जिस पर खर्रे का अधिक प्रकोप हो तोड़कर नष्ट कर दें।
पशुपालन	–	जानवरों में प्रसव दर को ध्यान में रखते हुए पशुशाला को अच्छी तरह साफ–सुथरा, सूखा, रोशनीदार, हवादार होना चाहिए। इसके लिए नालियों में तथा आस–पास सूखे चूने का छिड़काव करें तथा जानवर के नीचे सूखा चारा बिछा दें। प्रसव के उपरांत स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें। ठंड का समय आ गया है अतः ठंड से बचाव हेतु पशुपालक इसकी ओर ध्यान दें।
मुर्गी पालन	–	मुर्गियों के आवास के तापमान का अनुरक्षण करें। सरद ऋतु मे बिछावन की मोटाई बढा दे जिससे कुक्कुट को पर्याप्त गर्मी मिलती रहे।

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर